www.sgbauonline.com

(iv) 'मोचीराम' के कवि कौन हैं ?

(v) सुमित्रानंदन पंत किस धारा के कवि हैं ?

(एक वाक्य में उत्तर लिखिये)

(ड) काव्यांग से :

(i) वीर रस का स्थायी भाव लिखिये।

(ii) 'म' गण का उदाहरण ..... है।

(पिताजी, माताजी, साहस)

(iii) एक से अधिक शब्द एक से अधिक बार प्रयुक्त हों और प्रत्येक का अर्थ भिन्न हो तब .... अलंकार होता है।

(यमक, अनुप्रास, श्लेष)

(iv) व्यंजना शब्दशक्ति से कौनसा अर्थ अभिप्रेत है ?

(v) वर्णिक छंदों में मात्राओं के अनुसार गणना नहीं की जाती। (सत्य/असत्य)

AQ–93

B.A. (Part—III) Examination

HINDI (Literature)

(Optional Subject)

समय—3 घंटे] [पूर्णांक—100

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नांकित पद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :- 10

जिनकी भुजाओं की शिराएँ फड़की ही नहीं;
जिनके लहू में नहीं वेग है अनल का;
शिव का पदोदक ही पेय जिनका है रहा,
चक्खा ही जिन्होंने नहीं स्वाद हलाहल का;
जिनके हृदय में कभी आग सुलगी ही नहीं,
ठेस लगते ही अहंकार नहीं छलका;
जिनको सहारा नहीं भुज के प्रताप का है,
बैठते भरोसा किये वे ही आत्मबल का।

अथवा

युद्ध की ज्वर-भीति से हो मुक्त,
जब की होगी, सत्य ही, वसुधा सुधा से युक्त।
श्रेय होगा सुष्ठु विकसित मनुज का वह काल,

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

जब नहीं होगी धरा नर के रूधिर से लाल।

श्रेय होगा धर्म का आलोक वह निर्बन्ध,

मनुज जोड़ेगा मनुज से जब उचित सम्बन्ध।

2. निम्नांकित गद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10

मत-प्रवर्त्तक अपने द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार के लिए भी जनता को कँपाते और लपकाते आये हैं। एक जाति को मूर्ति-पूजा करते देख दूसरी जाति के मत प्रवर्त्तक ने उसे गुनाहों में दाखिल किया है। एक सम्प्रदाय को भस्म और रूद्राक्ष धारण करते देख दूसरे सम्प्रदाय के प्रचारक ने उनके दर्शन तक में पाप लगाया है। भावक्षेत्र अत्यन्त पवित्र क्षेत्र है। उसे इस प्रकार गन्दा करना लोक के प्रति भारी अपराध समझना चाहिए।

अथवा

दूसरों का भय हमें भगा सकता है, हमारी बुराइयों को नहीं। दूसरों से हम भाग सकते हैं, पर अपने से नहीं। जब अपने को हम अच्छे न लगने लगेंगे तब सिवा इसके कि हम अच्छे हों या अच्छे होने की आशा करें, आत्मग्लानि से बचने का और कोई उपाय न रहेगा। पर जिनके अन्तःकरण में अच्छे संस्कारों का बीज रहता है ग्लानि उन्हीं को होती है।

3. 'युद्ध निन्दित और क्रूर कर्म है', फिर भी विशेष परिस्थितियों में अनिवार्य क्यों हो जाता है ? 'कुरूक्षेत्र' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'भीष्म पितामह शक्ति की प्रतिमूर्ति हैं' इस कथन के आधार पर भीष्म की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों की प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिये। 15

अथवा

'श्रद्धा-भक्ति' निबंध में निरूपित विचारों को स्पष्ट कीजिए।

5. छायावाद की परिभाषा देते हुए छायावादी काव्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

प्रयोगवाद की प्रवृत्तियों को सोदाहरण लिखिए।

6. (अ) रस की परिभाषा देते हुए उसके तत्त्वों का विवेचन कीजिए। 10

अथवा

संयोग एवं वियोग श्रृंगार को सोदाहरण स्पष्ट करते हुए लिखिए कि उसे रसराज क्यों कहा जाता है ?

(ब) निम्नलिखित अलंकारों को उदाहरण सहित लिखिये : 4

(i) श्लेष

(ii) रूपक।

अथवा

(iii) यमक

(iv) मानवीकरण।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

(क) निम्नलिखित छंदों के लक्षण देकर उनके उदाहरण लिखिये : 4

(i) चौपाई

(ii) रोला।

अथवा

(iii) दोहा

(iv) कुंडलियाँ।

(ड) अभिधा **अथवा** व्यंजना शब्द शक्ति को सोदाहरण समझाइये। 2

7. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ एवं अतिलघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार लिखिये : 20

(अ) कुरूक्षेत्र से :

(i) 'करूक्षेत्र' में दुर्योधन का नाम क्या लिखा गया है ?

(ii) पांचाली किसे कहा गया है ?

(iii) युद्ध निन्दित और ..... कर्म है।

(उचित शब्द लिखकर वाक्य पूरा कीजिए)

(iv) द्रौपदी ने केश कितने वर्षों पश्चात बांधे थे ?

(v) ..... ने मृत्यु को रूकने का आदेश दिया था। (युधिष्ठिर, भीष्म पितामह, कृष्ण)

(ब) चिंतामणि से :

(i) भक्ति का स्थान मानव-..... है।

(शरीर, मस्तिष्क, हृदय)

(ii) उच्चकोटि के मनुष्यों को अपने दुष्कर्म पर ..... होती है। (प्रेम, ग्लानि, श्रद्धा)

(iii) समस्त मानव जीवन के प्रवर्त्तक ..... ही होते हैं।

(iv) भक्त के लिए भक्ति का आनन्द ही उसका ..... है। (फल, आर्शिवाद, सुख)

(v) समाज की श्रद्धा अपव्यय के लिए नहीं है, प्रयोजन के लिए हैं। (सत्य/असत्य)

(क) हिन्दी साहित्य के इतिहास से :

(i) उपन्यास सम्राट के नाम से कौन से लेखक जाने जाते है ?

(रामधारी सिंह दिनकर, अमृतराय, प्रेमचंद)

(ii) आधुनिक काल का प्रारंभ ..... युग से माना जाता है।

(द्विवेदी युग, भारतेन्दु युग, छायावादी युग)

(iii) हरिवंशराय बच्चन छायावाद के आधार स्तंभों में से एक हैं। (सत्य/असत्य)

www.sgbauonline.com